Resource: अध्ययन नोट्स (बिब्लिका)

License Information

अध्ययन नोट्स (बिब्लिका) (Hindi) is based on: Biblica Study Notes, Biblica Inc., 2023, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

अध्ययन नोट्स (बिब्लिका)

HAB

हबक्कूक 1:1–11, हबक्कूक 1:12–2:20, हबक्कूक 3:1–19

हबक्कूक 1:1–11

हबक्कूक भविष्यद्वक्ता ने अपनी प्रार्थनाओं को कविताओं के रूप में परमेश्वर के लिए अभिलिखित किया।

हबक्कूक की पहली प्रार्थना उन कविताओं की तरह थी जो भजन संहिता में परमेश्वर से शिकायत व्यक्त करती हैं। हबक्कूक ने परमेश्वर से प्रश्न पूछकर और यह बताकर शिकायत की कि चीजें कितनी भीषण थीं। उन्होंने परमेश्वर से शिकायत की कि वे बुरे काम करने वाले लोगों को रोकने के लिए कोई कार्रवाई नहीं कर रहे थे।

हबक्कूक ने उन बुरी बातों की व्याख्या की जो दक्षिणी राज्य के लोग कर रहे थे। लोग मूसा की व्यवस्था का पालन नहीं कर रहे थे। वे दूसरों के साथ वैसा व्यवहार नहीं कर रहे थे जैसा परमेश्वर ने उन्हें सीनै पर्वत की वाचा में सिखाया था।

हबक्कूक यह नहीं समझ पाए कि परमेश्वर ने अपने लोगों को एक-दूसरे के खिलाफ पाप करने की अनुमति क्यों दी। हबक्कूक ने परमेश्वर से ईमानदारी से कहा कि वे इस सब के बारे में कैसा महसूस कर रहे हैं।

परमेश्वर का उत्तर दिखाता है कि वे हबक्कूक की शिकायत करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। ऐसा करने के लिए वे बाबेल की सेनाओं का अपने उपकरणों के रूप में उपयोग करेंगे। बाबेल के लोग दक्षिणी राज्य पर हमला करेंगे और उसे नष्ट कर देंगे। इस प्रकार परमेश्वर उन लोगों के खिलाफ न्याय लाएंगे जो दूसरों के साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार करते थे।

परमेश्वर ने बताया कि बाबेलवासी कितने क्रूर, शक्तिशाली और घमंडी थे। वे अपनी शक्ति की उपासना करते थे बजाय इसके कि यह पहचानें कि परमेश्वर ने उन्हें सफलता पाने की अनुमति दी थी। वे दक्षिणी राज्य को इस तरह नष्ट कर देंगे कि हबक्कूक पूरी तरह से चकित रह जाएंगे।

हबक्कूक 1:12–2:20

अपनी द्वितीय प्रार्थना में, हबक्कूक ने पहचाना कि परमेश्वर पवित्र हैं और सदा जीवित रहते हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि परमेश्वर ने चुना हैं कि कैसे और कब कार्यवाही करनी है। परमेश्वर ने हबक्कूक को बताया था कि वह बाबेल वासियों को अपने उपकरण के रूप में उपयोग करने की योजना बना रहे हैं।

हबक्कूक परमेश्वर की योजना से सहमत नहीं थे। उन्होंने परमेश्वर से इस योजना के बारे में प्रश्न पूछकर शिकायत की। उन्होंने परमेश्वर को याद दिलाया कि कोई भी बुरी चीज़ परमेश्वर के निकट नहीं आ सकती। उन्होंने परमेश्वर को बाबेल वासियों द्वारा किए गए बुरे कामों की याद दिलाई। हबक्कूक ने परमेश्वर पर भरोसा किया कि वे उन्हें उत्तर देंगे। हबक्कूक ने अपने आप को एक पहरेदार की तरह वर्णित किया जो पहरा दे रहे थे। वह यरूशलेम पर नज़र रखते हुए परमेश्वर के जवाब का इंतज़ार कर रहे थे।

परमेश्वर चाहते थे कि हबक्कूक उनके उत्तर को लिख लें। परमेश्वर चाहते थे कि उनका संदेश उनके लोगों (परमेश्वर के लोग) के साथ साझा किया जाए। परमेश्वर का संदेश उन लोगों के बारे में था जो घमंडी हैं और बुरे काम करते हैं। बाबेल के लोग उन लोगों का उदाहरण थे जो अच्छा नहीं करना चाहते। उन्होंने अन्य लोगों को धोखा देकर और उनके साथ बुरा व्यवहार करके धन अर्जित किया। उन्होंने चोरी और हत्या करके भूमि और जनसमूह पर नियंत्रण कर लिया।

उन्होंने परमेश्वर की सृष्टि को नुकसान पहुंचाया, बजाय इसके कि वे ऐसे शासक होते जो पौधों और जानवरों की देखभाल करते। उन्होंने मदिरा का उपयोग ऐसे तरीकों से किया जो हानिकारक था और उन्होंने यौन पाप किए। इन कार्यों से यह स्पष्ट हुआ कि वे परमेश्वर को नहीं जानते थे। उन्होंने इस बात का सम्मान नहीं किया कि परमेश्वर पृथ्वी पर पूर्ण अधिकार के साथ एकमात्र शासक हैं। इसके बजाय, बाबेल के लोग झूठे देवताओं की मूर्तियों की पूजा करते थे। इन सभी कारणों से, परमेश्वर उनके खिलाफ न्याय लाएंगे। वे नष्ट कर दिए जाएंगे। जिन लोगों के साथ उन्होंने बुरा व्यवहार किया था, उन्हें बचाया जाएगा।

परमेश्वर का संदेश यह भी था कि धार्मिक लोगों के साथ क्या होगा। जिन लोगों ने परमेश्वर के अनुसार जीवन जीने के मार्ग का निष्ठापूर्वक पालन किया था, वे नष्ट नहीं होंगे। इसके बजाय वे अपनी निष्ठा के कारण जीवित रहेंगे। इसका अर्थ था कि उनको परमेश्वर में विश्वास था। वे विश्वास करते थे कि वह वही

हबक्कूक *3:1–19*

हैं जो वह कहते हैं। इसका अर्थ था कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान थे। वे एकमात्र परमेश्वर की उपासना करते थे और वही करते थे जो वह पृथ्वी पर चाहते थे।

परमेश्वर का संदेश यह भी था कि ये चीज़ें कब होंगी। ये भविष्य में होंगी। परमेश्वर ने हबक्कूक को ठीक-ठीक नहीं बताया कि यह कब होंगा। परमेश्वर चाहते थे कि हबक्कूक इंतज़ार करते रहें। परमेश्वर के कार्यवाही करने के वादे पर भरोसा किया जा सकता है।

हबक्कूक 3:1–19

हबक्कूक की तीसरी प्रार्थना को लोगों के गाने के लिए एक गीत के रूप में लिखा गया था। यह भजन संहिता की कविताओं की तरह थी जो परमेश्वर के महान कार्यों की स्तुति करती हैं। यह उन भजनों की तरह भी थी जो परमेश्वर पर विश्वास करने की बात करती हैं।

हबक्कूक ने परमेश्वर की प्रशंसा की, क्योंकि परमेश्वर ने अतीत में लोगों के सामने अपने आप को प्रकट किया था। परमेश्वर ने अपने लोगों को मिस्र में बंदी होने से बचाने के लिए कार्य किया था। जिस प्रकार हबक्कूक ने परमेश्वर के कार्यों का वर्णन किया, वह परमेश्वर की सामर्थ को दर्शाता है। यह परमेश्वर की सामर्थ को हर उस चीज़ पर दिखाता है जिसे उन्होंने रचा है। यह परमेश्वर की सामर्थ को मानव शासनों और सेनाओं पर भी दिखाता है।

हबक्कूक ने परमेश्वर से फिर से उन तरीकों से कार्य करने की विनती की। परमेश्वर की सामर्थ के दर्शन ने हबक्कूक को कमजोर और भयभीत कर दिया। हबक्कूक चाहते थे कि परमेश्वर अपने क्रोध को उन पर प्रकट करें जिन्होंने उनके लोगों के साथ बुरा व्यवहार किया। वह चाहते थे कि परमेश्वर उन पर दया करें जिन्हें बचाए जाने की आवश्यकता थी।

हबक्कूक और दक्षिणी राज्य ने गंभीर समस्याओं का सामना किया था। उन पर हमला हो रहा था और भोजन की कमी थी। लेकिन हबक्कूक ने धैर्यवान और प्रसन्न रहने का निर्णय लिया। वे बाबेल के खिलाफ परमेश्वर के न्याय का इंतजार करेंगे। और वे इस बात से प्रसन्न रहेंगे कि परमेश्वर कौन हैं और उन्होंने क्या किया है।

हबक्कूक जानते थे कि परमेश्वर ने अतीत में उनके लोगों को बचाया था। इससे हबक्कूक को आनंद और शक्ति मिली। इससे उन्हें यह विश्वास करने में मदद मिली कि परमेश्वर भविष्य में उनके उद्धारकर्ता होंगे।